भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2272

दिनांक 02 **अगस्त**, 2021

हाइड्रोकार्बन रेज़रवॉयर

2272 **श्री प्रद्युत बोरदोलोई**:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या असम के हैलाकांडी जिले के पंचग्राम में हिंदुस्तान पेपर कॉरपोरेशन (एचपीसी) की बंद पेपर मिल के परिसर के अंदर क्रूड और प्राकृतिक गैस युक्त हाइड्रोकार्बन के कई रेज़रवॉयर हैं;

(ख) यदि हां, तो हाइड्रोकार्बन का निष्कर्षण करने वाली कंम्पनियों का ब्यौरा क्या है और इसका निष्कर्षण कब से किया जा रहा है तथा इन भंडारों की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) क्या ओएनजीसी एचपीसी को उनके स्वामित्व वाली भूमि के अंदर स्थित हाइड्रोकार्बन भंडार के कारण उसे रॉयल्टी और अन्य शुल्कों का भुगतान करता है?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री

(**श्री रामेश्वर तेली**)

(क) ओएनजीसी के पास असम राज्य में बदरपुर ब्लॉक का पेट्रोलियम खनन पट्टा (पीएमएल) है जो 2.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला है। हिन्दुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन (एचपीसी) इस ब्लॉक के क्षेत्रफल में स्थित है। बदरपुर ब्लॉक के हाइड्रोकार्बन भंडार का एक हिस्सा एचपीसी के बंद पड़े पेपर कारखाने के परिसर में पड़ता है।

(ख) ओएनजीसी ने बदरपुर क्षेत्र से वर्ष 1986-87 से वर्ष 2012 में उत्पादन बंद होने तक संचयी रूप से 0.0181 मिलियन मीट्रिक टन कच्चा तेल उत्पादित किया है। वर्तमान में, हाइड्रोकार्बन कूपों को तकनीकी कारणों से बंद कर दिया गया है और बदरपुर पीएमएल से हाइड्रोकार्बन का उत्पादन नहीं किया जा रहा है।

दिनाँक 01.04.2021 की स्थिति के अनुसार, बदरपुर क्षेत्र से 0.0174 एमएमटी तेल के आकस्मिक संसाधन घटक के साथ 0.0355 एमएमटी अनुमानित अंतिम निकासी (ईयूआर) हुई है।

(ग) ओएनजीसी ने एचपीसी को मार्च, 2019 तक के भूमि किराए का भुगतान किया है। जमीनी ब्लॉकों के लिए राज्य सरकार को तेल और गैस की रायल्टी का भुगतान किया जाता है।

*****